म्हारे जन्म–जन्म रा साथी थाने .....

म्हारे जन्म–जन्म रा साथी, थाने नहीं बिसरूं दिन–राती
ओ म्हारे....
थां देख्यां बिन कल ना पड़त है, जानत मोरी छाती
ऊँची चढ़–चढ़ पंथ निहारूं, रोय–रोय अंखिया राती
ओ म्हारे....
यो संसार सकल जग झूठो, झूठा कुलरा न्याती
दोऊं कर जोड़्या अरज करूं मैं, सुणज्यो भली बाती
ओ म्हारे....
ओ मन मारो बड़ो हरामी, ज्यूं मद मातो हाथी
सतगुरू हाथ धरयो सिर ऊपर, अंकुश दे समझाती
ओ म्हारे....
पल–पल पियाजी रो रूप निहारु, निरख–निरख सुख पाती
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, हरि चरणाँ चित्त राती
ओ म्हारे....

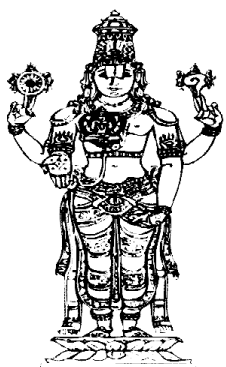

माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर।
कर का मनका डारि दे, मन का मनका फेर।।